मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

# (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

## केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 05 अक्टूबर 2018

## जोधपुर

### जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

| मौसमी तत्व / दिनांक | 06/10/18 | 07/10/18 | 08/10/18 | 09/10/18 | 10/10/18 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मि.मी.) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अधिकतम तापमान (°सेल्सियस) | 39 | 39 | 40 | 40 | 39 |
| न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस) | 23 | 24 | 24 | 24 | 23 |
| बादलों की स्थिति (ओक्टा) | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह | 68 | 67 | 64 | 63 | 67 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम | 15 | 14 | 13 | 12 | 16 |
| हवा की गति (कि.मी/घंटा) | 6 | 4 | 7 | 6 | 6 |
| हवा की दिशा | दक्षिण–दक्षिण–पूर्व | दक्षिण | दक्षिण | दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम | दक्षिण |

### मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

| फसल | अवस्था | सलाह |
|---|---|---|
| बारानी चना | तैयारी | बारानी चने की बुवाई के लिए उन्नत किस्मों के बीज व खाद की व्यवस्था करें। सी–235, आर.एस.जी–44, आर.एस.जी–888, आर.एस.जी–896, जी.एन.जी–1488, आर.एस.जी–974, जी.एन.जी–1958 व जी.एन.जी–663, चने की बुवाई हेतु 80–100 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त रहता है। |
| बारानी सरसों/राया | तैयारी | सरसों/राया की बुवाई के लिए बीज व खाद की व्यवस्था करें। पूसा सरसों–25, पूसा सरसों–26, पूसा सरसों–27, एन.आर.सी.एच.बी–101, सी.एच–52, टी–59, आर.एच–30, बायो–902 ,जी.एम–2 व आर.एच–819 उन्नत किस्में है। बुवाई के लिए 4–5 किलो बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त रहता है। |
| सब्जियां | फूल व फल | शुष्क मौसम को देखते हुए सब्जियों में दीमक के प्रकोप की सम्भावना है प्रकोप दिखाई देने पर क्लोरपायरीफॉस 20 ई.सी. चार लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से सिंचाई के साथ दें। |
| पशु | | बदलते मौसम में पशुओं में खुरपका–मुंहपका रोग के फैलने की संभावना रहती है। रोग के लक्षण दिखाई देने पर पशुचिकित्सक से सम्पर्क करें। |

(नौडल ऑफीसर)